

दैनिक जागरण



www.jagran.com

बैअसर होगी ओआइसी की बैठक 11

प. बंगल, झारखंड, विश्व, दिल्ली, उत्तराखण्ड, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखण्ड, पंजाब, जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित

बैंकों के सही फ़सलों नो संरक्षण देगी सरकार 9

चालक नहीं सिर्फ आवाज सुनकर फर्राटा भरेगी कार

जागरण विशेष

धर्मदेव धौधारी • गैथर (धनबाद)

वह समय दूर नहीं जब आपकी आवाज सुनकर कार सड़क पर तैंड़ेगी। उसमें कोई चालक भी नहीं होगा। सामने कोई बाधा होगी तो रुक जाएगी। मोबाइल के माध्यम से आप जो निर्देश देंगे उसके अनुरूप कार गतव्य तक पहुंचा देगी। चौंकिए, नहीं अपने देश में यह जल्द संभव होगा। दरअसल खिलौना कार के माध्यम से ऐसी कार का मॉडल मैथन निवासी पश्चिम बंगाल के दिल्ली पालिका स्कूल असनसोल के 10 वीं कक्षा के दो छात्रों ने तैयार किया है। इन नहें विजयियों की सशहना सभी कर रहे हैं।

मैथन के रुने वाले प्रेम प्रकाश

शोध अनुसंधान

- डीपीएस, असानसोल के 10 वीं के दो छात्रों के कारनामों को सभी कर रहे सलाम
- इंटरनेट से मिली जानकारी और कंप्यूटर शिक्षक के मार्गदर्शन में तैयार किया मॉडल



यौवास कंट्रोल रोवर • जागरण

पांडे व उसके दोस्त शुभम सुसीब उल हकीम ने बताया कि कुछ अलग हट कर करना चाहते थे, तभी ऐसी कार बनाने का विचार आया। बस इंटरनेट खंगालना शुरू कर दिया। कई जानकारियां वहां से मिलीं। कंप्यूटर शिक्षक अनुप मिश्रा ने मार्गदर्शन दिया। दोनों ने कंप्यूटर की सी-प्लस भाषा से ऐसा प्रोग्राम तैयार किया, जिसमें ध्वनि संदेश के बल पर कार को कंट्रोल किया जा सकता है।

ब्लू टूथ और सेंसर दिखाएंगे कमाल : बताया कि मोबाइल में एसएमएस वॉयस एप लोड कर ब्लू टूथ के माध्यम से उसे कार से जोड़ दिया जाएगा। कार में प्रोग्राम चिप के माध्यम से डाल दिया जाएगा। उसे कार में लगा विशेष सर्किट पढ़ेगा और मोबाइल से मिले ध्वनि संदेश पर कार को करने लगेगा। कार के आगे सेंसर लगे होंगे। जो सामने किसी भी दूसरे वाहन कार को कंट्रोल किया जा सकता है।



यौवास कंट्रोल रोवर के साथ डीपीएस के छात्र प्रेम प्रकाश और शुभम • जागरण

या बाधा के आने पर कार को रेक देंगे। यदि मोबाइल पर संदेश दे दिया गया कि अमुक दिशा में मोड़कर आगे बढ़ें तो ठीक है अन्यथा ये सेंसर कार को स्वयं ही तीन सेंकेंड तक संदेश नहीं मिलने पर इसे खाली दिख रहे मार्ग पर

10 वीं कक्षा के इन दोनों बच्चों ने इस उम्र में शनदार काम किया है। इस मॉडल के आधार पर भविष्य में बिना चालक की धर्मने व सेंसर के माध्यम से घलने वाली कार अपने देश में बन सकती है। विद्यालय परिवार को दोनों की उपलब्धि पर गर्व है।

अनुप मिश्रा, कंप्यूटर शिक्षक, डीपीएस असानसोल



जाने को प्रेरित करेंगे। कार में 3000 एमएच की बैटरी लगाई गई है। ध्वनि व अल्ट्रासोनिक तंत्र के बल पर कार चलेगी। इस कार का नाम दोनों दोस्तों ने वॉयस कंट्रोल रोवर रखा है। इसे तैयार करने में ढाई हजार रुपये लगे।